उज्जैन
सोमवार
22
जनवरी, 2024
मूल्य- 1.50 रु. वर्ष-10 अंक-77
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

भये प्रगट कृपाला दीनदयाला

राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे ।
सहस्रनाम तत्तुल्यं राम नाम वरानने ।।

अर्थ - शिवजी ने मां गौरा से कहा, हे पार्वती..! राम जी का नाम एकबार लेना भगवान विष्णु के सहस्रनाम के बराबर है। इसलिए मैं सदैव राम जी के नाम का ध्यान करता हूं।

84 सेकेंड : गर्भगृह में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

दिव्य- भव्य- नव्य मंदिर में विराजे रामलला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्राण प्रतिष्ठा का मिला सौभाग्य,साथ में मौजूद रहे संघ प्रमुख मोहन भागवत और समूचा राष्ट्र

ब्रह्मास्त्र ▸▸ अयोध्या

राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। शुभ मुहूर्त में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। इसके साथ ही गर्भगृह में भये प्रगट कृपाला दीनदयाला यानी रामलला मात्र 84 सेकंड में प्रकट होकर विराजमान हो गए। अयोध्या के इस दिव्य भव्य नव्य मंदिर में जन्मभूमि पर जब रामलला विराजे तो सभी भावुक हो गए। उनकी आंखें नम हो गई। इस खुशी के अवसर को उन्होंने अपनी आंखों से निहारा और इसी के साथ 500 वर्षों की तपस्या और संघर्ष समाप्त हो गया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने राम लला को चांदी का छत्र अर्पित किया। शुभ मुहूर्त में सभी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होने के बाद पीएम मोदी ने राम लला की पूजा अर्चना की। रामलला की अद्भुत आकर्षित बाल स्वरूप प्रतिमा को देखकर भक्त भाव विह्वल हो रहे हैं। 23 जनवरी से आप भी भगवान के दर्शन का लाभ उठा पाएंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी ने रामलला की पूजा-अर्चना की

पीएम नरेंद्र मोदी ने रामलला की पूजा-अर्चना की। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला की प्रतिमा की पूजा की गई।

कमर में करधनी और पेट पर त्रिवली

बालकांड रमचरितमानस में जैसी रामलला का जैसा वर्णन किया गया है, वैसी ही रामलला का विग्रह सुशोभित हो रहा है। रामलला के चरणों में वज्र, ध्वजा और अंकुश के चिन्ह शोभित हैं। कमर में करधनी और पेट पर त्रिवली हैं। रामलला की विशाल भुजाएं आभूषणों से सुशोभित हैं। रामलला की छाती पर बाघ के नख की बहुत ही निराली छटा है। छाती पर रत्नों से युक्त मणियों के हार की शोभा है।

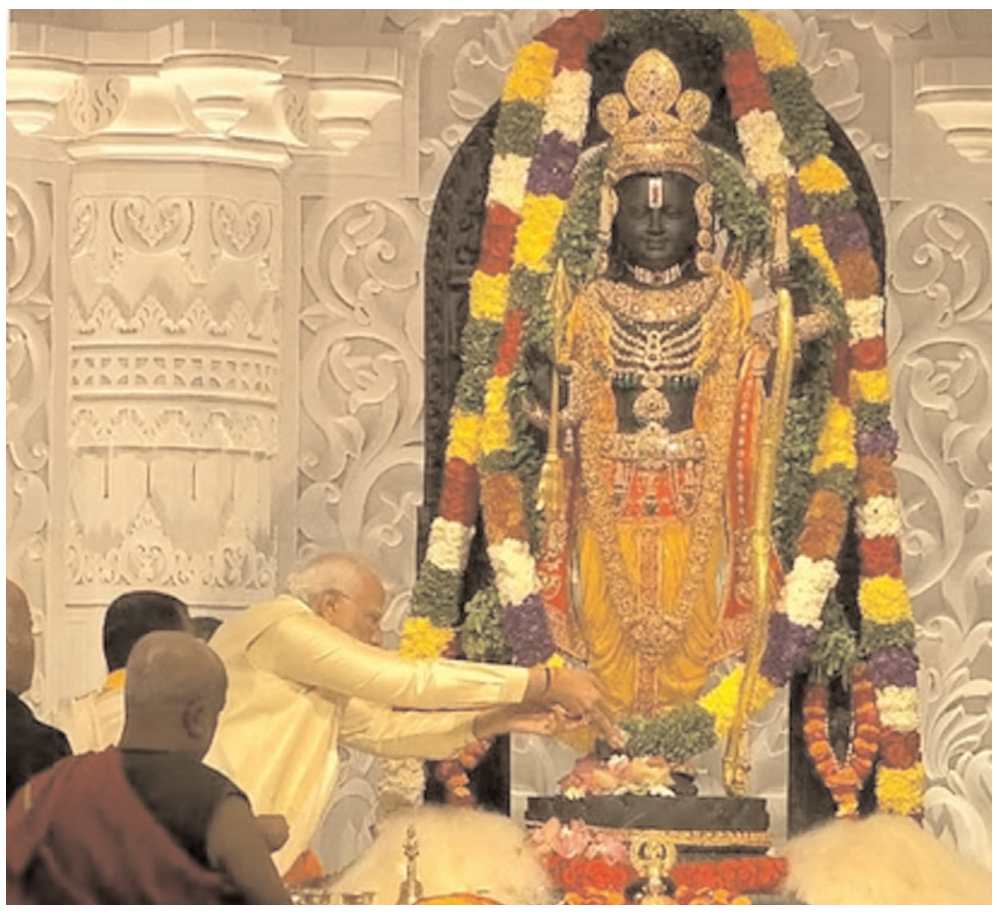

आरती के समय आकाश से अवधपुरी पर पुष्प वर्षा, एक स्वर में बज उठे वाद्य यंत्र

अयोध्यानगरी में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के समय आरती के दौरान सेना के हेलीकॉप्टर पुष्प वर्षा की गई। मंदिर प्रशासन के अनुसार सेना के हेलीकॉप्टर अयोध्या में फूलों की वर्षा की। प्राण प्रतिष्ठा में राम जन्मभूमि मंदिर में आरती के समय 30 कलाकारों ने भारतीय संगीत वाद्ययंत्र बजाया। सभी मेहमानों को घंटियां दी गई, जिन्हें वे आरती के दौरान बजा रहे थे। सभी संगीतकारों ने एक सुर में अपने वाद्ययंत्र बजाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोपहर करीब 12 बजे अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लिया। इस ऐतिहासिक समारोह में देश के सभी प्रमुख आध्यात्मिक और धार्मिक संप्रदायों के प्रतिनिधि शामिल हुए। समारोह में विभिन्न आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों सहित सभी क्षेत्रों के लोग भी शामिल थे। प्रोटोकॉल का पालन करते हुए दोपहर में अभिजीत मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम हुआ। सामान्यतः प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सात अधिवास होते हैं। वहीं कम से कम तीन अधिवास प्रचलन में होते हैं। अनुष्ठान का संचालन 121 आचार्य ने किया। गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ की देखरेख में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान संपन्न हुआ। अनुष्ठान और प्राण प्रतिष्ठा की सभी कार्यवाही का समन्वय और निर्देशन प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में की गई।

आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा - प्राण प्रतिष्ठा के साथ आज से राम राज की भी शुरूआत

रामलला की नगरी में आज प्राण प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम से पहले राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही राम राज की भी शुरूआत हो गई। आज असमानता खत्म हो गई है। अयोध्या से जो बदलाव आया है वह बदलाव अब पूरे देश में देखने को मिलेगा। इस बदलाव के साथ देश में हर कोई बहुत प्रेम से रहेगा और यह बहुत सुंदर होगा। आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि अब देश में हर कोई पूरे सद्भाव से रहेगा। भगवान श्रीराम का आशीर्वाद सभी पर बनेगा रहेगा। आचार्य सत्येंद्र दास कहते हैं कि देश में सब कुछ अच्छा हो रहा है। अयोध्या को लेकर राम भक्तों ने जो भी सपना देखा था वह आज पूरा हो गया। जैसे ही रामलाल विराजमान होंगे तो सभी कठिनाइयां खत्म हो जाएंगी।

भस्मारती से पहले पधारी राम दरबार की मूर्ति फूलों की वर्षा के साथ रंगारंग आतिशबाजी

महाकाल मंदिर में एक साथ होली- दिवाली

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

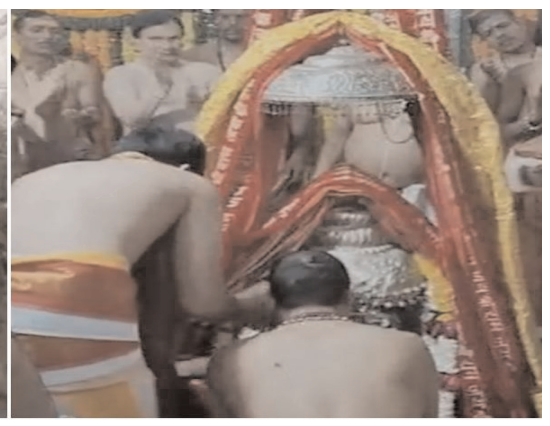

अयोध्या में आज हो रहे श्रीराम मंदिर प्रतिष्ठा का उत्सव धर्मधानी उज्जैन में भी महामहोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में तड़के 4 बजे भस्म आरती से उत्सव की शुरूआत हुई। भस्?मारती में मंगलगान के साथ फूलों की वर्षा हुई। आतिशबाजी की गई। इस तरह होली और दीपावली एक साथ मनाई गई। भक्?तों से खचाखच भरे मंदिर परिसर में भस्?मारती से पहले राम दरबार की मूर्ति लाई गई। महाकाल मंदिर में पुजारियों ने प्रतिदिन की तरह पट खोले। भक्?तों के गजब के उत्?साह के बीच बाबा का अभिषेक किया गया। राम दरबार की प्रतिमा को महाकाल के पास आसन लगाकर विराजमान किया गया। आरती में पुजारियों ने फुलझड़ी जलाकर खुशियां मनाई। फूलों की वर्षा की गई।

पांच क्विंटल फूल अर्पित करेंगे- महाकाल को हर आरती में पांच क्विंटल फूल अर्पित किए जा रहे हैं। इसके बाद शाम को एक लाख दीप प्रज्वलित कर दीपावली मनाई जाएगी।

चतुर्वेद मंत्र से पयोधारा अभिषेक कर श्रीराम स्तुति

शिप्रा नदी के सिद्धवट घाट पर 101 तीर्थ पुरोहितों द्वारा चतुर्वेद मंत्र से पयोधारा अभिषेक कर श्रीराम स्तुति की जाएगी। नगर के अन्य मंदिरों में उत्सवी छटा बिखर रही है। शहरभर में रामायण, सुंदरकांड व भजन संध्या होगी।

ब्रह्मास्त्र विशेष

भयऊ प्रगट श्रीकंता

शुभ मुहूर्त - शुभ घड़ी में अयोध्या के भव्यतम राम मंदिर के गर्भगृह में भगवान श्रीराम के बाल रूप रामलला प्रगट हो गए...तुलसीदास जी ने लिखा भी है - सो मम हित लागी जन अनुरागी भयऊ प्रगट श्रीकंता... रामलला का मंदिर पुनर्स्थापित करने के लिए पिछले 500 वर्षों से चली आ रही तपस्या और संघर्ष रूपी महायज्ञ की आज पूणार्हुति हो गई। वह सपना साकार हो गया, जिसे हमारी कई- कई पीढियां अपनी खुली आंखों से देखती आ रही थीं। करोड़ों -करोड़ हिंदुओं के मन मस्तिष्क में यही सवाल था कि आखिर कब रामलला अपनी जन्मभूमि पर अपने भुवन में विराजमान होंगे। आज हर भारतवासी गर्व से फूला नहीं समा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूपी एक ऐसे महर्षि ने ₹मंदिर वही बनाएंगे₹ के संकल्प रूपी अनुष्ठान को पूरा कर दिया। गुजरात की धरती से एक महात्मा गाँधी हुए , जिनके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने बिना ढाल- तलवार के आजादी दिला दी। नरेंद्र मोदी के रूप में भी एक ऐसे ही महर्षि ने भारत की संवैधानिक मयार्दाओं के बीच बगैर हिंसा के रामलला मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर दिया। इसके पूर्व इन 500 वर्षों में न जाने कितने ही राम भक्तों और कारसेवकों ने अपने प्राणों की आहुतियां तक दे दी। आज अयोध्या में रामलला के विग्रह में ही प्राण नहीं फूंके गए बल्कि भारत के प्राण की प्रतिष्ठा हो गई। समूचा हिंदुस्तान तो पहले से ही राममय था। आज के दौर में जो भी इस मंगल घड़ी को देख पा रहे हैं, सुन पा रहे हैं, समझ पा रहे हैं वह सभी अति सौभाग्यशाली हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि 14 वर्षों के वनवास के बाद जब भगवान राम अयोध्या आए थे, उस वक्त को तो हममें से कोई भी नहीं निहार पाया, परंतु 500 वर्षों के संघर्ष के बाद ₹टेंट वासर₹ से निकलकर भगवान राम अपनी जन्मभूमि के गर्भगृह में विराजमान हो गए हैं। इस मनोहारी दृश्य के हम सब दर्शन कर पा रहे हैं। दीपावली तो हम हर वर्ष मनाते हैं, लेकिन सही मायने में दीपावली का उमंग -उत्साह क्या होता है, यह आज देखने को मिल रहा है। समूचे भारतवर्ष का रोम-रोम आज प्रफुल्लित मन से राम- राम जप रहा है। यह राम शब्द ही ऐसा है, जिसमें संपूर्ण सजीवता है। हिंदुत्व आज धन्य हो गया, और धन्य हो गए हम सब लोग जो इस मंगलमयी बेला के प्रत्यक्षदर्शी हैं। जमकर उत्सव मनाओ, क्योंकि आज महा दीपावली है। इस रामोत्सव को अपने नयनों में उतार लो। आज से भारत भगवामय है। रामराज का आरंभ हो चुका है।

- योगेंद्र जोशी

बाबा महाकाल

भस्मारतिः श्रृंगारः दर्शनम्

अवन्तिकायां विहितावतारं
मुक्तिप्रदानाय च सज्जनानाम्।
अकालमृत्योः परिरक्षणार्थं वन्दे
महाकालमहासुरेशम्।

जो भगवान शंकर संतजनों को मोक्ष प्रदान करने के लिए अवन्तिकापुरी उज्जैन में अवतार धारण किए हैं, अकाल मृत्यु से बचने के लिए उन देवों के भी देव महाकाल नाम से विख्यात महादेव जी को मैं नमस्कार करता हूँ। नमस्कार करता हूँ।

आडवाणी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में नहीं हुए शामिल

नई दिल्ली। खराब मौसम के कारण वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी आज राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल नहीं होंगे। आपको बता दें कि खराब मौसम के कारण एलके आडवाणी का दौरा रद्द हुआ है। आडवाणी 96 साल के हैं। गौरतलब है कि संघ के पदाधिकारी कृष्ण गोपाल, राम लाल और आलोक कुमार ने लालकृष्ण आडवाणी के घर पहुंचकर उन्हें राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का न्योता दिया था।

पंजाब में निकाली गई शोभा यात्रा

अमरतसर। अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले आज अमृतसर में 'शोभायात्रा' निकाली गई। इस शोभायात्रा में कई राम भक्तों को श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।

इजरायली राजदूत ने प्राण प्रतिष्ठा से पहले भारत को दी बधाई

अयोध्या। भारत में इजरायल के राजदूत नाओर गिलोन ने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के लिए भारत की जनता को बधाई दी है। नाओर गिलोन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लि?खा, राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के इस शुभ अवसर पर भारत के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं। यह दुनिया भर के भक्तों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। मैं अयोध्या में राम मंदिर के जल्द दर्शन के लिए उत्सुक हूं, यकीनन वह मेरे पास मौजूद इस मॉडल से भी अधिक भव्य और सुंदर होगा।

मुरादाबाद में सुनार ने बनाई राम मंदिर डिजाइन वाली अंगूठी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में सुनार अमन अग्रवाल ने राम मंदिर डिजाइन वाली 1,25,000 रुपये की 18 कैरेट सोने की अंगूठी बनाई है। अमन अग्रवाल ने बताया कि मैंने इंटरनेट पर किसी अन्य धातु में एक समान मॉडल देखा था। उसके बाद से ही इसे सोने में बनाने के बारे में सोच रहा था। जब से मैंने इस अंगूठी का स्टेटस डाला है, मुझे लगभग 50+ कॉल मिल चुके हैं।

YouTube
awantika news
awantika.com

त्रिपुरा के सीएम बोले- 500 साल के इंतजार के बाद बना मंदिर

000000। राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह पर त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा ने कहा कि 500 साल के इंतजार के बाद राम मंदिर बना है। हम हमेशा 'रामराज्य' कहते हैं। 'रामराज्य' के दौरान हर कोई खुश था, इसलिए पीएम पूरे देश में 'रामराज' चाहते हैं। त्रिपुरा में भी लोग काफी उत्साहित हैं और दीये जला रहे हैं

प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर बंगाल में मना रहे दीवाली

000000। राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह पर पश्चिम बंगाल विधानसभा के एलओपी और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि हर कोई खुश है और दिवाली मनाई जा रही है। इस यात्रा में मुस्लिम समुदाय के लोग भी हिस्सा ले रहे हैं। सीएम (ममता बनर्जी) हिंदू विरोधी हैं। वह एक सांप्रदायिक सीएम हैं।

एफिल टावर पर भी लगे 'जय श्री राम' के जयकारे

000000। अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर दुनिया के कई देशों में भी उत्साह का माहौल है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में ख्यात एफिल टावर पर राम भक्तों ने जय श्री राम के जयकारे लगाए।

रामो विग्रहवान धर्मस्साधुस्सत्यपराक्रमः।
राजा सर्वस्य लोकस्य देवानां मघवानिव।।

ब्रह्मास्त्र

भावार्थ : राम जी धर्म के विग्रह स्वरूप हैं। वे साधू एवं पराक्रमी हैं। जैसे देवगणों के राजा इंद्र हैं। वैसे ही प्रभु श्री राम हम सब के राजाधिराज हैं।

www.awantika.com

खबर एक नजर...

थाने की हनुमान प्रतिमा ने पहनी खाकी वर्दी, सीने पर लिखा पवनपुत्र

इंदौर। अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के पहले शहर में भी मंदिरों में आकर्षक सजावट की गई। शहर के पुलिस थानों में स्थिति मंदिरों को विभिन्न तरीकों से सजाया गया है। इंदौर के बाणगंगा थाने में स्थित हनुमान मंदिर में हनुमान प्रतिमा को खाकी वर्दी पहनाई गई है। प्रतिमा के सीने पर लिखा है पवनपुत्र। बाणगंगा थाने में स्थित हनुमान मंदिर का अद्भुत श्रृंगार किया गया है। यहां रामभक्त हनुमान का श्रृंगार देखने वालों की भीड़ लगी है। हनुमानजी ने खाकी वर्दी तो पहनी ही है। सर पर कैप भी लगाई है। सीने में नेमप्लेट पर पवनपुत्र लिखा है। पुलिस अफसरों का मानना है कि हनुमानजी ही पहले खोजी थे। उनकी प्रेरणा से पुलिस का वजूद है। हनुमान जी की भक्ति में ही शक्ति है।

गर्भ में जुड़वां बच्चों की मौत, डाक्टर पर आरोप, अस्पताल में हंगामा

इंदौर। द्वारकापुरी थाना क्षेत्र स्थित निजी अस्पताल में गर्भ में जुड़वां बच्चों की मौत के बाद परिजनों ने रविवार को जमकर हंगामा किया। आरोप लगाया कि डाक्टरों की लापरवाही के कारण ऐसा हुआ है। हालांकि मामले में अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि महिला की हालत पहले ठीक थी, कई मामलों में ऐसा हो जाता है कि अचानक ब्लड का सकुर्लेशन रुक जाता है। जितेंद्र राजपूत ने बताया कि पत्नी पूजा की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। इसके बाद डाक्टर से बात कर उसे द्वारकापुरी क्षेत्र स्थित संकल्प अस्पताल लेकर पहुंचा। आरोप लगाया कि लापरवाही के कारण जुड़वां बच्चों की मौत हुई है। सुबह कहा गया कि दोनों नवजात की मौत हो गई है। पत्नी को बचाना है तो आपरेशन करना होगा।

डाक्टर का यह कहना- मामले में डा. भारती द्विवेदी ने कहा कि महिला को छह माह का गर्भ था। उनका फोन आया कि अधिक ब्लिडिंग हो रही है तो मैंने अस्पताल में भर्ती करवाया। लेकिन अधिक ब्लिडिंग नहीं हो रही थी। रात में डाक्टर भी वहां गए थे, तब बच्चों की धड़कन चल रही थी, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी है। कई बार ऐसी हालत में क्लोट बन जाते हैं। ब्लड का सकुर्लेशन रुक जाता है। इसके बाद सुबह सोनोग्राफी के बाद हमने महिला को तुरंत चोइथराम रेफर किया।

रामलला के आगमन की खुशी में सजे इंदौर के बाजार, शोभायात्रा, चौराहों पर बंट रहा प्रसाद

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

राम के अयोध्या आगमन की खुशी में इंदौर सजकर तैयार है। बाजारों में दो महीने में ही दूसरी दीपावली आ चुकी है। शापिंग माल, परंपरागत बाजारों में केसरिया वंदनवार से लेकर रोशनी भी की गई है। दुकानों के बाहर राम मंदिर की प्रतिकृति सजी हुई है। आज प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन के लिए खास तैयारी की गई है। बाजारों में हो रहे रामायण पारायण की पूणार्हुति भी होगी।

महाआरती की जा रही है और शोभायात्रा के साथ प्रसाद वितरण भी हो रहा है। राजवाड़ा क्षेत्र के बाजार केसरिया चोला पहने नजर आ रहे हैं। पूरे क्षेत्र के बाजारों को केसरिया झंडों और वंदनवारों से पाट दिया गया है।

यशोदा माता मंदिर क्षेत्र के बाजार के आसमान को केसरिया सीलिंग से पूरी तरह ढंक दिया गया है। ऐसे में धूप और सुनहरी होकर बाजारों में वासंती आकाश का नजारा दे रही है। सभी दुकानों ने राम मंदिर की प्रतिकृति तो सजाई ही है। डिस्प्ले में रखे गए वस्त्र भी केसरिया लगाए गए हैं। दुकान के पुतले भी वन से लौटते राम-लक्ष्मण की तरह सजाए गए हैं।

सेल्फी पाइंट भी बने

यशोदा माता मंदिर रोड के साथ जबरेश्वर महादेव मंदिर रोड़ इमामबाड़ा सराफा मार्ग पीपली बाजार सराफा चौपाटी पर सेल्फी पाइंट भी बनाए हैं। बाजार में महाआरती और 300 किलो केशर खिरान महाप्रसाद का वितरण हो रहा है। शाम को राम भजन होंगे और रात्रि में केशर दूध का वितरण किया जाएगा।

सियागंज ने नाम किया साकार

माता सीता के नाम से बसे पुराने थोक बाजार सियागंज ने भी नाम को साकार कर दिया है। सियागंज में रामोत्सव के दौरान रामायण पाठ हो रहा है। दि सियागंज होलसेल किराना मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल के अनुसार रामायण पारायण की पुणार्हुति अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही हो गई। इसके बाद व्यापारी बाजार में एक शोभायात्रा निकालेंगे। महाआरती के साथ प्रसाद का वितरण भी होगा।

क्लाथ मार्केट में दिनभर मिठाई वितरण

थोक कपड़ा बाजार क्लाथ मार्केट में व्यापारी रामोत्सव में प्रतिदिन संध्या शोभायात्रा निकाल रहे हैं। बाजार की खास सजावट की गई है। सोमवार को बाजार के चौक पर महाआरती होगी। व्यापारियों की राम पालकी यात्रा भी पूरे बाजार में घूमेगी। दिनभर बाजार में आने जाने वाले ग्राहकों और लोगों को मिठाई खिलाकर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर की बधाई दी जाएगी। मिठाई वितरण सुबह से शाम तक जारी रहेगा।

कुछ ऐसे सजे है उज्जैन- इंदौर हर तरफ है रामराज का दौर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

भारत की पवित्र भूमि ने पथराई आंखों से जिस क्षण की प्रतीक्षा पांच सौ वर्षों तक की, आज वही मंगल क्षण अयोध्या में घटित होने जा रहा है। यह प्रतीक्षा केवल अयोध्या की नहीं थी, बल्कि अटक से कटक और लद्दाख से लक्षद्वीप तक समूचे भारत ने एक साथ की। इन प्रतीक्षाओं में हमारे इंदौर, भोपाल, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर सरीखे उदारमना शहर भी साझीदार रहे।

जब-जब राष्ट्र ने पुकारा, तब-तब मध्य प्रदेश के जन-जन ने अपना रक्त, प्राण, मज्जा, समय आदि सबकुछ समर्पित किया। उसी समर्पण का प्रतिफल है कि साकेतधाम अवधपुरी में रणरंगधीर श्रीराम का नव्य-भव्य मंदिर बनकर तैयार है और आज प्रभु श्रीराम वहां अपने विग्रह में प्रतिष्ठित हो गए।

आज यह केवल सनातन धर्म का उत्सव नहीं बल्कि देश के प्रत्येक जन का, मन का, तन का और जीवन का उत्सव है। इसी उत्सवी उल्लास में आज सज गए हैं इंदौर, उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर सहित समूचे मध्य प्रदेश के प्रत्येक गांव और नगर के गली-मोहल्ले। आज हर कोना-कंगूरा रामनाम के दीपक से प्रज्वलित हो उठा। आज अंधकार परास्त हुआ, उजास की पुनः विजय हुई और आज घर-घर में पुनः दीपावली मनाई जा रही है। आज हम सबके मन में बस यही गूंज रहा है-

कारुण्यरूपं करुणाकरं तं श्रीरामचन्द्रं शरणं प्रपद्ये।।

अर्थात : हे करुणानिधान, हे करुणा के स्वरूप श्री रामचंद्र, संपूर्ण लोकों में सबसे सुंदर व कमल नयन वाले रघुवंश नायक प्रभु श्रीराम, मैं आपकी शरण में हूं।

मग्न, मस्त, तल्लीन, मत्त... हर शख्स बना अब रामभक्त

मयार्दा का पुण्य सिखाने वाले श्रीराम की स्तुति में आज धरती का कण-कण और समय का क्षण-क्षण विनत है। अपने प्रभु की नवधा भक्ति में लीन रहने वाले भक्त आज मस्त हैं, मगन हैं, तल्लीन हैं और मत्त हैं। गोया हर व्यक्ति आज अपना परिचय भूलकर केवल और केवल रामभक्त हो चला है। पद, मद और कद के सारे पैमाने ध्वस्त हो गए हैं। गरीब से लेकर अमीर तक के कंठ एक स्वर में श्रीराम का गौरव गान कर रहे हैं। मोहल्लों से लेकर मल्टियों तक में रामधुन बज रही है। महल अटारियों से लेकर बस्ती-कालोनियों तक के हर घर पर भगवा ध्वज लहरा रहा है। यह सनातन के नव-सूर्य का उदय है। यह सनातन की नव-विजय का उद्घोष है।

हजार वर्षों में धराधाम ने ऐसा उत्सव न देखा होगा

बीते करीब 1000 वर्षों से दुर्दांत विधर्मियों के प्राणघातक हमले झेल रही भारतभूमि आज प्रसन्न है। वह अपनी देह पर विधर्मियों के खंजर से बने घावों पर भक्ति का लेपन करके अब आगे बढ़ आ चुकी है। अंधकार का कालखंड अब पीछे छूट चला। भारत का धराधाम अब जाकर वह उत्सव देख रहा है, जिसे देखने के लिए हजारों धमार्लुजनों ने अपने प्राण दिए। उनके संघर्ष और प्राणों के उत्सर्ग की भावभूमि पर चलकर ही यह महान अवसर आया है, जिसका उत्सव आज हम सब भारतवर्षी मना रहे हैं। यह अधर्म पर धर्म की विजय का भी क्षण है और गहन अंधकार पर उजास के उत्सव का भी समय है। आज इस उत्सव के लिए इंदौर सहित समूचे मध्य प्रदेश और भारतवर्ष की तैयारियां देखकर लगता है कि इस धरती ने बीते एक हजार वर्षों से ऐसा उत्सव न देखा होगा, जैसा कि आज भारत में घटित होने वाला है।

इंदौर के केदार रावल हुए नागर समाज के प्रदेश अध्यक्ष

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

म.प्र. नागर ब्राह्मण परिषद के निर्वाचन मे न्यायालय के हस्तक्षेप व डेढ़ वर्ष बाद हुई मतगणना के पश्चात इंदौर के केदार रावल ने 88 वोट से त्रिकोणीय मुकाबले में विजय प्राप्त की है। अयोध्या में श्री रामलाल मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या आए परिणाम पर सभी ने हर्ष जताया और केदार रावल को शुभकामनाएं दी।

तेज रफ्तार कार का कहर, दो सफाई कर्मियों की मौके पर मौत

भीकनगांव/खरगोन। यहां खरगोन-खंडवा मार्ग स्थित भीकनगांव में सफाई कर रही दंपति को कार ने रौंद दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में कार सवार तीन लोग भी घायल हुए हैं। साथ ही मवेशी की मौत भी हुई है। पुलिस के अनुसार रविवार को सुबह करीब 6 बजे मुकेश गौहर और उनकी पत्नी भारती भीकनगांव स्थित गांधी चौराहे पर सफाई कार्य कर रही थी। इस दौरान खंडवा की ओर से तेज गति से आ रही कार ने दोनों को टक्कर मार दी। हादसे में की दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि कार सवार भीकनगांव के ही सराफा व्यापारी सुबोध सोनी अपने बेटे की शादी के बाद स्वजनों के साथ खंडवा से भीकनगांव लौट रहे थे। घर पहुंचने के पूर्व उनकी अनियंत्रित कार ने सफाई कर्मियों को टक्कर मार दी।

卐 卐 卐 ज्योतिष/वास्तु 卐 卐 卐

मेष, मिथुन और कन्या राशि वालों को धन और आत्मविश्वास में बढ़ोतरी के संकेत

ग्रह-नक्षत्र की चाल पर आधारित फलादेश है, जिसमें सभी राशियों (मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन) का दैनिक भविष्यफल विस्तार से बताया जाता है। इस राशिफल को निकालते समय ग्रह-नक्षत्र के साथ साथ पंचांग की गणना का विश्लेषण किया जाता है। आज के राशिफल में आपके लिए नौकरी, व्यापार, लेन-देन, परिवार और मित्रों के साथ संबंध, सेहत और दिनभर में होने वाली शुभ-अशुभ घटनाओं का भविष्यफल होता है। इस राशिफल को पढ़कर आप अपनी दैनिक योजनाओं को सफल बनाने में कामयाब रहेंगे। जैसे दैनिक राशिफल ग्रह-नक्षत्र की चाल के आधार पर आपको यह बताएगा कि आज के दिन आपके सितारे आपके अनुकूल हैं या नहीं। आज आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है या फिर किस तरह के अवसर आपको प्राप्त हो सकते हैं। दैनिक राशिफल को पढ़कर आप दोनों ही परिस्थिति (अवसर और चुनौतियों) के लिए तैयार हो सकते हैं।

मेष - आज का दिन आपके लिए मन की इच्छा की पूर्ति के लिए रहेगा और वाणिज्यिक लाभ मिलने की संभावना है। भाई बंधुओं के साथ आप कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिलती रहेगी। आपके साहस व पराक्रम में वृद्धि होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपकी माताजी आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकती हैं, जिसे आप पूरी अवश्य करेंगे। आपको किसी काम के चलते अक्समात यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जिसमें आपको वाहन बहुत ही सावधानी से चलना होगा। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को किसी बड़े पद की प्राप्ति हो सकती है।

वृष- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से थोड़ा कमजोर रहने वाला है। आप अपनी बुद्धि से काफी कुछ पा सकते हैं। परिवार के लोगों के साथ समय बिताना आपको अच्छा लगेगा और आपको परंपरागत तरीके से काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा। संतान की संगति की ओर आपको विशेष ध्यान देना होगा, नहीं तो वह किसी गलत काम की ओर अग्रसर हो सकते हैं। आपका आत्मविश्वास बढ़ने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में यदि आपको कोई सलाह दे, तो आप उसे पर बहुत ही सोच विचार कर चलें। आप अपने डेली रूटीन में बदलाव करेंगे, तो इससे आपको कोई समस्या हो सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए साख व सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है और व्यापार में आपकी रचनात्मकता बढ़ेगी। साझेदारी में आपको किसी काम को करना अच्छा रहेगा। किसी शुभ व मांगलिक कार्यक्रम में आपको सम्मिलित होने का आपको मौका मिलेगा। सभी क्षेत्रों में आप अपनी छाप छोड़ेंगे, लेकिन ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से बातचीत करते समय आपको सावधान रहने की आवश्यकता है। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। यदि आपने किसी के बहकावे में आकर कोई निर्णय लिया, तो बाद में आपको उसके लिए पछतावा हो सकता है। आपको व्यापार में अच्छा लाभ मिलने की संभावना बनती दिख रही है।

कर्क - आज का दिन आपके लिए एक बजट बनाकर चलने के लिए रहेगा। लेनदेन के मामले में आपको सावधानी बरतनी होगी और किसी विदेश में रह रहे परिजन से आपको फोन कॉल के जरिए शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है। यदि आपने पहले कोई निवेश किया था, तो उससे भी आपको अच्छा लाभ मिलेगा। दान धर्म के कार्य में आपकी कुछ काफी रुचि बढ़ेगी और आपके अपने बढ़ते खर्चों पर लगाम लगानी होगी और अपनी आय और व्यय के लिए बजट बनाएंगे, तो आप कुछ धन भविष्य के लिए संचय कर पाएंगे।

22 जनवरी का पंचांगः सोमवार का पंचांग, शुभ मुहूर्त और राहुकाल का समय

दैनिक पंचांग / सोमवार, 22 जनवरी 2024 को पौष माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि है। इस तिथि पर मृगशीर्षा नक्षत्र और ब्रह्मा योग का संयोग रहेगा। दिन के शुभ मुहूर्त की बात करें तो सोमवार को अभिजीत मुहूर्त 12:11 - 12:53 मिनट तक रहेगा। राहुकाल सुबह 08:36 - 09:55 मिनट तक रहेगा। चंद्रमा वृषभ राशि में मौजूद रहेंगे। हिंदू पंचांग को वैदिक पंचांग के नाम से जाना जाता है। पंचांग के माध्यम से समय और काल की सटीक गणना की जाती है। पंचांग मुख्य रूप से पांच अंगों से मिलकर बना होता है। ये पांच अंग तिथि, नक्षत्र, वार, योग और करण है। यहां हम दैनिक पंचांग में आपको शुभ मुहूर्त, राहुकाल, सूर्योदय और सूर्यास्त का समय, तिथि, करण, नक्षत्र, सूर्य और चंद्र ग्रह की स्थिति, हिंदूमास और पक्ष आदि की जानकारी देते हैं।

हिन्दू काल गणना के अनुसार 'चन्द्र रेखांक' को 'सूर्य रेखांक' से 12 अंश ऊपर जाने के लिए जो समय लगता है, वह तिथि कहलाती है। एक माह में तीस तिथियां होती हैं और ये तिथियां दो पक्षों में विभाजित होती हैं। शुक्ल पक्ष की आखिरी तिथि को पूर्णिमा और कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि अमावस्या कहलाती है।

तिथि के नाम- प्रतिपदा, द्वितीया, तृतीया, चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी, सप्तमी, अष्टमी, नवमी, दशमी, एकादशी, द्वादशी, त्रयोदशी, चतुर्दशी, अमावस्या/पूर्णिमा। नक्षत्रः आकाश मंडल में एक तारा समूह को नक्षत्र कहा जाता है। इसमें 27 नक्षत्र होते हैं और नौ ग्रहों को इन नक्षत्रों का स्वामित्व प्राप्त है। 27 नक्षत्रों के नाम- अश्विन नक्षत्र, भरणी नक्षत्र, कृत्तिका नक्षत्र, रोहिणी नक्षत्र, मृगशिरा नक्षत्र, आर्द्रा नक्षत्र, पुनर्वसु नक्षत्र, पुष्य नक्षत्र, आश्लेषा नक्षत्र, मघा नक्षत्र, पूवार्फाल्गुनी नक्षत्र, उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र, हस्त नक्षत्र, चित्रा नक्षत्र, स्वाति नक्षत्र, विशाखा नक्षत्र, अनुराधा नक्षत्र, ज्येष्ठा नक्षत्र, मूल नक्षत्र, पूवार्षाढ़ा नक्षत्र, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र, श्रवण नक्षत्र, घनिष्ठा नक्षत्र, शतभिषा नक्षत्र, पूवार्भाद्रपद नक्षत्र, उत्तराभाद्रपद नक्षत्र, रेवती नक्षत्र।

वारः वार का आशय दिन से है। एक सप्ताह में सात वार होते हैं। ये सात वार ग्रहों के नाम से रखे गए हैं

योगः नक्षत्र की भांति योग भी 27 प्रकार के होते हैं। सूर्य-चंद्र की विशेष दूरियों की स्थितियों को योग कहा जाता है। दूरियों के आधार पर बनने वाले 27 योगों के नाम - विष्कुम्भ, प्रीति, आयुष्मान, सौभाग्य, शोभन, अतिगण्ड, सुकर्मा, धृति, शूल होगा।

वर्ग पहेली

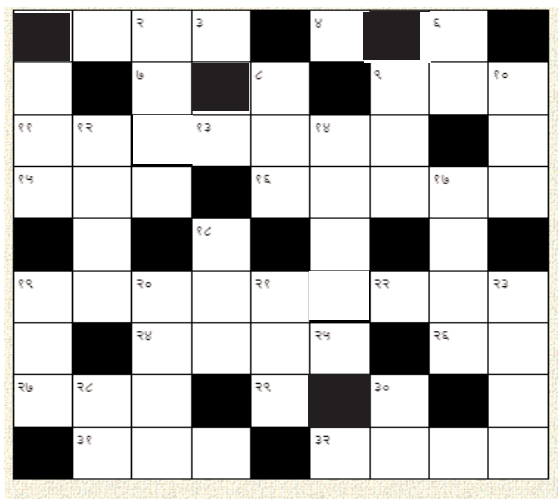

बाएँ से दाएँ

1.डंका; नगाड़ा 3. ढोल 4. किसी काम में हाथ डालना या लगाना 5. क्षति या हानि पहुँचाना 6. हिंसा।

4. 1. जनता; जनसमूह 2. समाज में रहने वाले बहुसंख्यक लोग।

6. ठेलने की क्रिया या भाव।

9. 1. पानी या किसी तरल पदार्थ को गिराना; उड़ेलना 2. किसी पिघली हुई धातु को साँचे में ढालकर कोई आकार देना

10. 1. फौज से संबद्ध; लशकर संबंधी 2. सेना या लशकर में कार्यरत 3. जलयान पर काम करने वाले।

ऊपर से नीचे

1. 1. ऋण या कर्ज चुकाने की क्रिया या भाव 2. पाटने की क्रिया या भाव।

2. 1. भुजबल; शारीरिक बल 2. पराक्रम; वीरता।

3. 1. भौंरे की गुंजन या आवाज 2. मंद ध्वनि; भनभनाहट।

पिछली वर्ग पहले का हल

मा	न	हा	नि	■	श	कु	न	■
न	■	स	वा	या	■	ल	ग	र
सि	त	■	स	त	रं	गा	■	म
क	म	ती	■	ना	ग	र	बे	ल
■	ह	■	कं	■	त	■	ल	■
हा	र	सिं	गा	र	■	उ	प	ज
ट	■	हा	ल	चा	ल	■	त्र	य
क	सी	स	■	ना	ति	न	■	का
■	मा	न	व	■	का	म	चो	र

■ वर्ष-10 अंक-77 मूल्य- 1.50 रु. | मध्यप्रदेश | छत्तीसगढ़ | गुजरात | महाराष्ट्र | राजस्थान | उत्तरप्रदेश | उत्तरांचल | आर एन आई क्रमांक 2013/57651

महाकाल नगरी उज्जैयनी से प्रकाशित

भारत सरकार द्वारा प्रमाणित

देश का नं. 1

संस्कृत समाचारपत्रम्

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, सोमवार 22 जनवरी माह, 2024

भर्जनं भवबीजानां अर्जनं सुखसंपदां।
तर्जनं यमदूतानाम राम रामेति गर्जनं।।

भावार्थ : सम्पूर्ण ब्राह्मण के नायक रामचंद्र जी का पवित्र नाम। दुख के बीज को भी जलाकर राख कर देता है। उनका नाम लेने से इस लोक में और उस लोक में सुखों की प्राप्ति होती है।

यदि भवान 'जय श्री राम' इति वदति तर्हि सर्वत्र सर्वं भद्रं भविष्यति, तर्हि राजनैतिक दिग्गजः किं उक्तवान इति ज्ञातव्यम

ब्रह्मास्त्र ▸▸ अयोध्या

अयोध्यायां राममन्दिरस्य अभिषेकविषये देशे सर्वत्र उत्साहः वर्तते। प्रत्येक गली कोने जय श्री राम के नारे गुंजायमान है। इतरथा प्राणप्रतिष्ठाकार्यक्रमस्य विषये अनेकेषां राजनैतिकप्रमुखानाम् प्रतिक्रियाः प्रकाशं प्राप्तवन्तः। अयोध्यायां राममन्दिरस्य अभिषेकविषये देशे सर्वत्र उत्साहः वर्तते। विदेशेषु सुन्दरकाण्डस्य रामचरितमानसस्य च पाठस्य आयोजनं क्रियते। अयोध्यायाः वीथिषु रामभक्तानां विशालः जनसमूहः दृश्यते । प्रत्येक गली कोने जय श्री राम के नारे गुंजायमान है। इतरथा प्राणप्रतिष्ठाकार्यक्रमस्य विषये अनेकेषां राजनैतिकप्रमुखानाम् प्रतिक्रियाः प्रकाशं प्राप्तवन्तः। जनाः अस्य क्षणस्य प्रतीक्षां कुर्वन्ति स्म- धर्मेन्द्र प्रधानः केन्द्रीयमन्त्री धर्मेन्द्रप्रधानः उक्तवान् यत् किञ्चित्कालानन्तरं शताब्दीनां प्रतीक्षायाः समाप्तिः भविष्यति। एतत् क्षणं सर्वं जगत् उत्सुकतापूर्वकं प्रतीक्षते स्म। अन्ते ईश्वरः जनानां इच्छां श्रुतवान्।

यदि वयं 'जय श्री राम' वदामः तर्हि सर्वत्र सर्वं भद्रं भविष्यति - वी.के.सिंह अयोध्यायां राममन्दिरप्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रमं प्राप्य केन्द्रीयमन्त्री वी.के.सिंहः अवदत् यत् अद्य अतीव शुभदिनम् अस्ति। एतादृशे शुभदिने यदि सर्वे ह्यजय श्री रामह्न इति वदन्ति तर्हि सर्वत्र सर्वं भद्रं भविष्यति। अस्मिन् शुभ अवसरे भवद्भ्यः सर्वेभ्यः शुभकामना। अयोध्या : केन्द्रीय मंत्री वि. सिंहः अवदत्- ₹अद्य अतीव शुभदिनम् अस्ति। एतादृशे शुभदिने यदि सर्वे 'जय श्रीराम' इति वदन्ति तर्हि सर्वत्र सर्वं भद्रं भविष्यति। भगवान् राम हमारी संस्कृति का प्रतीक- अनुप्रिया पटेल कार्यक्रमं प्राप्य केन्द्रीयमन्त्री अनुप्रिया पटेलः अवदत् यत् स्वसंस्कृतेः धरोहरस्य च संरक्षणं विना कोऽपि देशः समृद्धः न भवितुम् अर्हति। पीएम मोदी इत्यस्य नेतृत्वे अस्माकं सर्वकारः अस्मान् अस्माकं धरोहरस्य विषये गर्वं कर्तुं

निरन्तरं प्रेरयति। भगवान् रामः अस्माकं संस्कृतिस्य प्रतीकः अस्ति।

राममन्दिरस्य - अथावलस्य अभिषेने विश्वस्य सर्वतः जनाः भागं गृह्णन्ति राममन्दिरस्य प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रमं प्राप्य केन्द्रीयमन्त्री रामदास अथवलेः उक्तवान् यत् एषः दिवसः सुखदः अस्ति। प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रमे विश्वस्य सर्वेभ्यः जनाः भागं गृह्णन्ति। राजनीतिं करणं विषये रामदास अथवले इत्यनेन उक्तं यत् यदि एषः भाजपायाः कार्यसूची आसीत् तर्हि विपक्षस्य आमन्त्रणं न स्यात्। अस्मिन् कार्यक्रमे सर्वे आमन्त्रिताः सन्ति। विपक्षः अत्र आगन्तुं अर्हति स्म। अहं कर सेवकः अभवम् झ्र राजा भैया

नसत्ता दल (डेमोक्रेटिक) नेता रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया' ने कहा कि सौभाग्यवश पिता पुत्र उभौ निमंत्रणं प्राप्तौ। परन्तु पिता अस्वस्थतायाः कारणात् आगन्तुं न शक्तवान्। अहं कर सेवकः अभवम्। संरचने, तंबू-स्थायि-मन्दिरे, भव्य-मन्दिरे अपि मया भगवान् रामः दृष्टः ।

सम्पादकीयम्

अद्यतनस्य कृते तीव्रशीतस्य कारणेन दिल्ली कम्पिता, पीत-सचेतना

नई दिल्ली। मौसमविभागेन रविवासरस्य कृते पीतसचेतना जारीकृता अस्ति। आंशिकरूपेण मेघयुक्तः। रेलमार्गं विमानसेवा च नीहारस्य प्रभावः भवति । रेल-विमानसेवासु विलम्बस्य कारणात् यात्रिकाणां रेलस्थानकेषु, विमानस्थानकेषु च घण्टाभिः प्रतीक्षा कर्तव्या भवति ।

दिल्ली-एनसीआर-नगरस्य जनानां वर्षस्य अन्तिमे दिने अन्यस्य प्रातःकाले शीततरङ्गस्य सामना कर्तव्यः आसीत् । पर्वतेषु हिमपातस्य प्रभावः दिल्ली-एनसीआर-नगरस्य मौसमे दृश्यते । अत्र तापमानस्य निरन्तरं न्यूनता अभिलेखिता अस्ति । जनाः तीव्रशीतस्य सामनां कुर्वन्ति। दिल्ली नगरस्य प्राथमिक मौसम स्थानकस्य सफदर जङ्गवे धशालायां न्यूनतमं तापमानं ११ डिग्री सेल्सियस इति ज्ञातम् । तत्सह नीहारस्य प्रभावः रेलमागेर्षु, विमानसेवासु च भवति । नीहारस्य कारणात् दिल्लीनगरं आगच्छन्तः २३ रेलयानानि विलम्बेन प्रचलन्ति । रेल-विमानसेवासु विलम्बस्य कारणात् यात्रिकाणां रेलस्थानकेषु, विमानस्थानकेषु च घण्टाभिः प्रतीक्षा कर्तव्या भवति । आईएमडी इत्यनेन उक्तं यत् २०२४ तमस्य वर्षस्य जनवरीमासे प्रथमसप्ताहे पारा अधिकं न्यूनीभवति, यत्र राष्ट्रिय राजधानीयां सफदर जङ्गवेध शालायां तापमानं १० तः ७ डिग्री सेल्सियसपर्यन्तं भवति शनिवासरे ३० रेलयानानि, प्रायः १०० विमानविमानयानानि च नीहारेन प्रभावितानि अभवन् । अस्मिन् २० अन्तर्राष्ट्रीयविमानयानानि अपि अन्तर्भवन्ति । मौसमविभागेन रविवासरस्य कृते पीतसचेतना जारीकृता अस्ति। आंशिकरूपेण मेघयुक्तः।

स्त्री अन्यस्य बालकं अपहरति

नई दिल्ली। गृहीता महिला रेशमा कौर (३५) इति ज्ञाता अस्ति। विवाहस्य पञ्चवर्षेभ्यः अनन्तरम् अपि यदा बालकः न जातः तदा सा बालकस्य अपहरणस्य षड्यंत्रं कृतवती इति सा महिला अवदत् । तदनन्तरं शहादतिदिने डिसेम्ब-र्मासस्य २४ दिनाङ्के बालकस्य अपहरणं कृतम् । शाहदरा मण्डलस्य मन्सरोवरपार्कक्षेत्रे बालस्य सुखं प्राप्तुं एकया महिलायाः चतुर्वर्षीयस्य बालकस्य अपहरणं कृतम्। सा महिला निदोर्षं बालकं तिलकनगरे स्वगृहं नीतवती। शिकायतां प्राप्तस्य पञ्चदिनानन्तरं पुलिसैः अभियुक्तां महिलां गृहीत्वा निदोर्षं बालकं सुरक्षिततया पुनः प्राप्तम।

राशिफल

मेष : अचानक धन लाभ होगा महत्व के कार्यों को गति देंगे. करियर व्यापार बेहतर बना रहेगा। संतान सुख

वृष : दोस्तो की मदद से श्रेष्ठ कार्यों को आगे बढ़ा सकेंगे. बड़ों का साथ समर्थन बढ़ेगा. व्यक्तिगत प्रयासों को गति देंगे।

मिथुन : आज तेज गति से आगे बढ़ते रहें. व्यवस्था और अनुशासन पर जोर बनाए रखें. स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।

कर्क : अति आवश्यक कार्यों सबके साथ मिलकर आगे बढ़ाने का प्रयास रहेगा. टीम वर्क की कोशिश बढ़ाएं।

सिंह : कार्यगति नियंत्रित बनाए रखें. सफलता का प्रतिशत पूर्ववत रहेगा. पेशेवर मेहनत बनाए रखेंगे।

कन्या : महत्वपूर्ण कार्यों को तेजी से पूरा करने का भाव रहेगा. सफलता बेहतर बना रहेगा. पठन पाठन में रुचि रहेगी।

तुला : आज आप शांत और अनुकूल ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे. पारिवारिक और व्यक्तिगत संबंधों में सुधार होगा।

वृश्चिक : अपने करियर और व्यवसाय से जुड़े मामलों पर सावधानी बरतें. दूरदर्शिता से काम लें. झूठी अफवाहों पर ध्यान ना दें।

धनु : आपका सामाजिक दायरा बढने के योग. यदि आप समय पर अपने कार्यस्थल पर लापरवाही करेंगे ।

मकर : व्यावसायिक मामलों को पूरी मेहनत के साथ हैंडल करेंगे. विज्ञापन और प्रचार के जरिए भी आपको लाभ मिल सकता है।

कुंभ : अपने सीनियर अधिकारियों के बीच आपके कार्य प्रणाली से प्रषंसा प्राप्त होगी. पारिवारिक सदस्य के स्वास्थ्य से उलझन।

मीन: मीन- अधिक अधिक से परिश्रम करना होगा आपको अधिक से अधिक लाभ होगा महत्व के कार्यों को गति देंगे।

बिल्किस बानो प्रकरणस्य सर्वे 11 दोषिणः आत्मसमर्पणं कृतवन्तः, न्यायालयस्य समयसीमायाः पूर्वमेव जेलं प्राप्तवन्तः

ब्रह्मास्त्र ▸▸ गोधरा

सर्वोच्चन्यायालये दाखिलयाचिकायां दोषिणः स्वस्य स्वास्थ्यं, स्वपरिवारस्य सदस्यानां दायित्वं च उद्धृतवन्तः, परन्तु सर्वोच्चन्यायालयेन याचिका अङ्गीकृत्य पूर्वनिर्धारिततिथिपर्यन्तं आत्मसमर्पणं कर्तुं पृष्टम्। गुजरातदङ्गानां पीडितबिल्किस बानो प्रकरणस्य सर्वे ११ दोषिणः रविवासरे रात्रौ गोधरा उपकारागारे आत्मसमर्पणं कृतवन्तः। सर्वोच्चन्यायालयेन ८ जनवरी दिनाङ्के तस्य दण्डस्य क्षमायाचनं रद्दं कृत्वा २१ जनवरीपर्यन्तं आत्मसमर्पणं कर्तुं कथितम् आसीत् । निरीक्षकः एनएल देसाई अवदत्, दोषिणः रविवासरे रात्रौ विलम्बेन जेलाधिकारिणां समक्षं आत्मसमर्पणं कृतवन्तः। बिल्किस् बानो इत्यस्याः सामूहिकबलात्कारस्य, तस्याः परिवारस्य सप्तसदस्यानां हत्यायाः च दोषिणः आत्मसमर्पणार्थं अधिकं समयं याचितवन्तः आसन् । सर्वोच्चन्यायालये दाखिलयाचिकायां दोषिणः स्वस्य स्वास्थ्यं, स्वपरिवारस्य

सदस्यानां दायित्वं च उद्धृतवन्तः, परन्तु सर्वोच्चन्यायालयेन याचिका अङ्गीकृत्य पूर्वनिर्धारिततिथिपर्यन्तं आत्मसमर्पणं कर्तुं पृष्टम्। बकभाई वोहनिया, बिपिन चन्द्र जोशी, केसरभाई वोहनिया, गोविन्द नाई, जसवंत नाई, मितेश भट्ट, प्रदीप मोर्ढिया, राधेश्याम शाह, राजभाई सोनी, रमेश चंदना, शैलेश भट्ट च 11 दोषी अस्ति।

हिमवायुना सूर्यस्य मनोभावः अपि शीतलः अभवत पारा त्रय

ब्रह्मास्त्र ▸▸ कानपुरे

हिमवाताः सूर्यस्य अपि शीतलं कृतवन्तः। कानपुरे पारा त्रीणि अंशानि न्यूनीकृता अस्ति। कानपुरे ३० दिसम्ब र्दिनाङ्कः चतुर्वषेर्षु सर्वाधिकशीतदिवसः आसीत् । जनवरी २ दिनाङ्के मेघानां, लघुवृष्टेः च सम्भावना अस्ति । शीतं निरन्तरं वर्धमानम् अस्ति। कानपुरे अपराह्नसूर्यस्य हिमवायुनां पुरतः गन्तुं न शक्यते स्म । शनिवासरे जनाः दिवसं यावत् शीतलवायुना कम्पिताः एव आसन्, दिवसस्य तापमानं प्रायः त्रीणि अंशानि न्यूनीकृत्य १५.८ डिग्री यावत् अभवत् । एकदिनपूर्वं तापमानं १८.४ डिग्री इति अभिलेखः आसीत् । मौसमविभागस्य अनुसारं ३० दिसम्ब चतुर्वषेर्षु सर्वाधिकशीतदिवसः आसीत् । रात्रौ तापमानमपि ०.८ डिग्री न्यूनीकृत्य ९ डिग्री इति अभिलेखः अभवत् । चन्द्रशेखर आजाद कृषिप्रौद्योगिक्याः विश्व विद्यालयस्य मौसमविभागस्य प्रमुखः डॉ. एस.एन. एतेन शीतं वर्धते। सः अवदत् यत् जनवरीमासे २ दिनाङ्के मेघानां, लघुवृष्टेः च सम्भावना वर्तते। इदानीं वायुस्य अधिकतमं आर्द्रता पञ्चप्रतिशतम् ९५ प्रतिशतं यावत्, न्यूनतमं ७६ प्रतिशतं यावत् वर्धिता । राज्यस्य अनेकनगराणाम् अपेक्षया महानगरम् शीतलतरम् एव अभवत् हिमवायुकारणात् अयं महानगरः परितः स्थितानां बहूनां मण्डलानां अपेक्षया शीतलतरः एव अभवत् । यस्मिन् आगरा, प्रयागराज, चित्रकूट् इत्यादीनि अनेकानि मण्डलानि सन्ति । भारतीयमौसमविभागेन प्रकाशितसूचनानुसारं महानगरस्य तापमानं अधिकं न्यूनं भवितुम् अर्हति। कानपुरापेक्षया येषु नगरेषु पारा अधिका आसीत् तेषु आगरानगरे १७.६, प्रयागराजनगरे २०.२, सुल्तानपुरे १६.४, चित्रकूटनगरे १८.१, फतेहपुरे १६.८, लखीमपुरखेरीनगरे १६.० पारा आसीत् । यत्र कानपुरे अधिकतमं तापमानं १५.८ डिग्री। इति अभिलेखः अभवत् । प्रदूषणं 200 अदक2.5 यावत् ।अभवत।

भागवतः उक्तवान झ्र भारतस्य पुनर्निर्माण-अभियानस्य आरम्भः, मन्दिर-विवादस्य कटुतां समाप्तुं आह्वानं कुर्वन्तु।

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

संघप्रमुखेन उक्तं यत्, अयोध्यायां श्रीराममन्दिरस्य निर्माणस्य अवसरः राष्ट्रगौरवस्य पुनर्जागरणस्य प्रतीकः अस्ति। अहङ्कारात्, स्वार्थेन, विवेकात् च अयं संसारः विनाशकारी उन्मादे स्थितः अस्ति, अनन्तं विपत्तिं च स्वस्य उपरि आनयति इति सः अवदत्। राष्ट्रीयस्वयंसेवकसंघस्य प्रमुखः मोहनभागवतः अवदत् यत् अयोध्यानगरस्य रामलालायाः जन्मस्थाने राममन्दिरस्य निमार्णं, जनवरीमासे २२ दिनो प्राणप्रतिष्ठासमारोहः च भारतस्य पुनर्निमार्णाभियानस्य आरम्भः अस्ति। सवेर्षां सामञ्जस्यस्य, एकतायाः, प्रगतेः, शान्तिस्य, सवेर्षां कल्याणस्य च कृते अस्ति। राममन्दिरस्य निमार्णार्थं हिन्दुसमुदायस्य संघर्षस्य उल्लेखं कृत्वा सः अवदत् यत्, अस्य विषये विवादाः, कटुताः, संघर्षः च अधुना समाप्तः भवेत्।

आरएसएस-जालस्थले प्रकाशिते लेखे सः लिखितवान् यत् २०१९ तमस्य वर्षस्य नवम्ब-र्मासस्य ९ दिनाङ्के १३४ वषार्णां कानूनीसङ्घर्षस्य अनन्तरं सर्वोच्चन्यायालयेन सत्यं तथ्यं च परीक्ष्य सन्तुलितं निर्णयं दत्तम्। धार्मिकदृष्ट्या श्रीरामः समाजस्य बहुसंख्यकस्य पूजितः देवः अस्ति तथा च श्रीरामचन्द्रस्य जीवनम् अद्यापि सम्पूर्णसमाजेन स्वीकृतः आचरणस्य आदर्शः अस्ति। अतः इदानीं पक्षविपक्षयोः मध्ये

यः अनावश्यकः विवादः उत्पन्नः सः समाप्तः भवेत् । तदन्तरे उत्पन्नं कटुता च समाप्तं भवेत्। समाजस्य प्रबुद्धजनाः अवश्यमेव द्रष्टव्याः यत् विवादः सम्पूर्णतया समाप्तः भवति। राष्ट्रगौरवस्य पुनर्जागरणस्य प्रतीकम्

संघप्रमुखेन उक्तं यत्, अयोध्यायां श्रीराममन्दिरस्य निर्माणस्य अवसरः राष्ट्रगौरवस्य पुनर्जागरणस्य प्रतीकः अस्ति। अहङ्कारात्, स्वार्थेन, विवेकात् च अयं संसारः विनाशकारी उन्मादे स्थितः अस्ति, अनन्तं विपत्तिं च स्वस्य उपरि आनयति इति सः अवदत्। समरसता, एकता, प्रगति, शान्ति मार्ग दिखाने वाला जगदभिराम भारतवर्ष के पुनर्निर्माण के सर्वलाभकारी तथा 'सर्वेषम आव्रोधि' अभियान का आरम्भ श्री राम लल्ल के राम जन्मभूमि में प्रवेश से उनके आजीवन अभिषेक से हो रही है।

देशस्य समाजस्य च मनोबलं क्षीणं कर्तुं मन्दिरस्य विनाशः अभवत् ।संघप्रमुखः अवदत् यत् भारतस्य इतिहासः विगतसार्धसहस्त्रवर्षेभ्यः आक्रमणकारिभिः सह निरन्तरसङ्घर्षस्य एव अस्ति। देशस्य समाजस्य च मनोबलं क्षीणं कर्तुं तेषां धार्मिकस्थानानां नाशः आवश्यकः आसीत्, अतः विदेशीयाः आक्रमणकारिणः भारते मन्दिराणि अपि नाशयन्ति स्म ।

शान्तिकारणात् विग्रहः कर्षितः मुगलानां पश्चात् आङ्ग्लशासने अपि राममन्दिरस्य संघर्षः अचलत् । १९४७ तमे वर्षे देशस्य स्वातन्त्र्यं प्राप्तस्य अनन्तरं यदा सोमनाथमन्दिरस्य सर्वसम्मत्या नवीनीकरणं कृतम् तदा एतादृशानां मन्दिराणां विषये चर्चा आरब्धा । रामजन्मभूमिस्य मुक्तिविषये एतादृशाः सर्वाः सहमतिः विचारयितुं शक्यते स्म किन्तु राजनीतिस्य दिशा परिवर्तनं जातम् । भेदभावः, शान्तिः इत्यादीनां स्वाथीर्राजनीत्याः कारणात् सर्वकारैः अस्मिन् विषये हिन्दुसमाजस्य इच्छाः, भावनाः च न विचारिताः ।

समागतः, नगरं 'जामम्' आसीत्, वाहनानि क्रन्दन्ति स्म, चित्राणि

ऋषिकेश। नववर्षस्य उत्सवस्य कृते सज्जः अस्ति। नववर्षस्य सज्जतायै शिवपुरी, तपोवन, स्वर्गाश्रमक्षेत्रेषु शिविराणि रिसोर्ट् च पूर्णतया अलङ्कृतानि सन्ति। उत्सवस्य कृते दिल्ली, वेस्टर्न् यूपी, हरियाणा, पञ्जाब, राजस्थान इत्यादिषु प्रायः ८० प्रतिशतं अग्रिम-ऑनलाइन-बुकिंग् कृतम् अस्ति । तस्मिन् एव काले सप्ताहान्तः इति कारणतः प्रातःकालादेव बहुसंख्याकाः पर्यटकाः अस्मिन् नगरे आगन्तुं आरब्धाः सन्ति । नगरे पर्यटकानां बहूनां वाहनानां आगमनात् हरिद्वारमार्गः, नटराजचौकः, लक्ष्मणझुलामार्गः, तपोवन बायपास मार्गः इत्यादिषु क्षेत्रेषु जामः आसीत् । यस्य कारणात् यातायातनियन्त्रणार्थं चौराहेषु पुलिसकर्मचारिण।

देश का नंबर 1, संस्कृति का संरक्षक

दैनिक ब्रह्मास्त्र

'हर खबर पर अचुक निशाना'

संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु जुड़े

विज्ञापन व एजेंसी के लिए संपर्क
9827771777, 9827772777
dainikbrahmastra@gmail.com

संस्कृत में लेख व रचनाएं आमंत्रित

राम मंदिर परिसर पहुंचे अमिताभ और रजनीकांत, कैटरीना-माधुरी समेत अन्य सितारे भी दिखे

आज 22 जनवरी को श्रीराम की नगरी अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा एक भव्य समारोह में होगी। कई फिल्मी सितारे भी इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनेंगे। कुछ अयोध्या नगरी पहुंच चुके हैं तो कुछ आज पहुंच रहे हैं।

विक्की-कैट, आलिया-रणबीर ने की ई-रिक्शा की सवारी

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लेने के लिए सितारे भी अयोध्या पहुंचे हैं। धीरे-धीरे सभी सेलेब्स श्रीराम मंदिर परिसर तक पहुंच रहे हैं। आलिया भट्ट, रणबीर कपूर, कैटरीना कैफ और विक्की कौशल को ई-रिक्शा की सवारी करते देखा गया।

अयोध्या पहुंचे बिग बी

अमिताभ बच्चन अयोध्या पहुंच चुके हैं। अभिषेक बच्चन के साथ उन्हें देखा गया। सुपरस्टार भी श्रीराम की नगरी में पहुंच गए हैं। उनके अलावा कैटरीना कैफ-विक्की कौशल, माधुरी दीक्षित, रणबीर कपूर, आलिया, रोहित शेट्टी और राजकुमार हिरानी जैसा सितारे भी राम मंदिर परिसर पहुंच चुके हैं।

कंगना ने साझा कीं मंदिर की तस्वीरें

कंगना रणौत अयोध्या में हैं। अभिनेत्री रविवार को श्रीराम की नगरी पहुंच गई थीं। आज उन्होंने ऐतिहासिक श्रीराम मंदिर के सामने से अपनी तस्वीरें साझा की हैं।

इसके साथ लिखा है, 'यही जन्मभूमि है परम पूज्य श्रीराम की, जय श्रीराम'। अभिनेता अनुपम खेर रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लेने के लिए अयोध्या पहुंच चुके हैं। आज अभिनेता ने हनुमान गढ़ी में बजरंगबली के दर्शन किए। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा कर लिखा है, 'प्रभु राम के प्राण प्रतिष्ठान से पहले हनुमान जी का दर्शनाभिलाशी मैं! हनुमानगढ़ी के हनुमान जी के दर्शन आप सब के लिये भी। जय श्रीराम'।

नारंगी गमछा डाल जैकी श्रॉफ अयोध्या रवाना

अभिनेता जैकी श्रॉफ भी अयोध्या के लिए रवाना हो चुके हैं। उनका एक वीडियो सामने आया है, जो विरल भियानी ने साझा किया है। वीडियो में जैकी सफेद कुर्ता पाजामा में नजर आ रहे हैं और उनके गले में एक नारंगी रंग का गमछा डला हुआ है।

पारंपरिक लिबास में नजर आए आलिया-रणबीर

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट भी अयोध्या के लिए रवाना हो चुके हैं। दोनों सितारों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का न्योता मिला है। रणबीर कपूर धोती कुर्ता पहने नजर आए, वहीं आलिया साड़ी में नजर आईं। इस दौरान आलिया और रणबीर के साथ रोहित शेट्टी भी नजर आए।

अयोध्या के लिए रवाना हुए बिग बी

अमिताभ बच्चन भी रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लेने के लिए अयोध्या के लिए रवाना हो चुके हैं। उन्हें आज सुबह मुंबई में एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। इस दौरान बिग बी के साथ अभिषेक बच्चन भी नजर आए। वीडियो विरल भियानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किया है।

अयोध्या

लता मंगेशकर की आवाज में 'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी' सुनकर मंत्रमुग्ध हुए लोग, एआई ने बनाया गाना

अयोध्या में रामलला के आगमन का इंतजार आज खत्म होने वाला है। अयोध्या में आज सोमवार, 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। प्राण प्रतिष्ठा की विधि दोपहर 12:20 बजे शुरू होगी। वहीं, एक बजे कार्यक्रम पूरा होगा। ऐसे में आज पूरा देश राममय हो गया है। हर तरफ लोग राम भक्ति में डूबे नजर आ रहे हैं। भगवान श्रीराम के गानों से हर ओर देश गूंज रहा है। सबकी जुंबा पर बस 'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी' गाना सुनाई दे रहा है। अब ये गाना एक ऐसी आवाज में सुनने को मिला है, जिसे सुनकर हर कोई खुश हो गया है।

दिवंगत गायिका लता मंगेशकर ने भारतीय सिनेमा को कई बेहतरीन गाने दिए। उनके गाने के आज भी लाखों-करोड़ों दीवाने हैं। अब वह हमारे बीच नहीं रही हैं। मगर लता मंगेशकर की आवाज में 'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी' गाना सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लता की आवाज में ये गाना सुनकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाएगा।

स्वर कोकिला की आवाज में राम आएंगे ये गाना एआई द्वारा क्रिएट किया गया है। इस गाने को सुनकर एक पल के लिए ऐसा लगेगा कि खुद लता मंगेशकर भगवान राम के आगमन में यह गाना गा रही हैं।

यूजर्स को पसंद आ रहा गाना

सोशल मीडिया पर इस गाने को एक यूजर्स ने साझा किया है। लता मंगेशकर की आवाज में 'राम आएंगे' गाने पर हर कोई अपनी प्रतिक्रिया दे रहा है। सभी लता मंगेशकर की अवाज में इस कगाने को सुनकर भावुक हो गए हैं। कुछ दिनों पहले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गायिका लता मंगेशकर का एक भजन साझा किया था। पीएम ने कैप्शन में लिखा था, 'राम लला के प्राण प्रतिष्ठा में उनकी कमी बहुत खल रही है।'

ऐतिहासिक पल के साक्षी बनेंगे सितारे

आज राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए सभी बेहद उत्साहित हैं। बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियां अयोध्या में इस ऐतिहासिक पल की साक्षी बनेंगी। कुछ अयोध्या नगरी पहुंच चुके हैं, तो कुछ आज पहुंच रहे हैं। अमिताभ बच्चन, कंगना रणौत समेत कई सितारे मंदिर पहुंच चुके हैं।

बॉलीवुड

प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या पहुंचीं कंगना रनोट, मंदिर में लगाई झाड़ू,

22 जनवरी देश के लिए बहुत बड़ा दिन है। सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा है। इस एतिहासिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज अयोध्या के लिए रवाना हो गए हैं। बी-टाउन क्वीन कंगना रनोट भी राम की नगरी पहुंच गई हैं।

राम की भक्ति में डूबीं कंगना रनोट

कंगना रनोट शनिवार को ही राम की धरती पर पहुंच गई थीं। आज वह रामभद्राचार्य से मिलीं और उनके साथ सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कीं। फोटो में कंगना को रामभद्राचार्य का नमन करते हुए देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने उन्हें गले लगाया और उनसे आशीर्वाद लिया।

हनुमान यज्ञ में शामिल हुईं कंगना रनोट

फोटोज शेयर करते हुए 'तेजस' एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, ₹आओ मेरे राम। आज परमपूजनीय श्री रामभद्राचार्य जी से मुलाकात हुई, उनका आशीर्वाद लिया। उनके द्वारा आयोजित शास्त्रवत सामूहिक हनुमान जी यज्ञ में भाग लिया। अयोध्या धाम में श्री राम के स्वागत में सब राममयी हैं। कल अयोध्या के राजा लम्बे वनवास के बाद अपने घर आ रहे हैं । आओ मेरे राम, आओ मेरे राम।

कंगना रनोट ने लगाई मंदिर में झाड़ू

श्री रामभद्राचार्य का आशीर्वाद लेने के बाद कंगना रनोट ने हनुमान मंदिर में अपनी सेवा दी। उन्होंने मंदिर के कोने-कोने में झाड़ू लगाया। इसका वीडियो एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ₹हनुमान के मंदिर में सफाई की, लेकिन भीड़ बहुत ज्यादा हो गई। इस दौरान कंगना रनोट लाल और गोल्डन कलर की सिल्क साड़ी पहनी थी। एक्ट्रेस ने अपने लुक को सोने के गहने, जूड़ा और बड़ी लाल बिंदी से पूरा किया था। ट्रेडिशनल अवतार में वह बहुत खूबसूरत लग रही थीं। बात करें कंगना के वर्क फ्रंट की तो वह आगामी फिल्म 'इमरजेंसी' में नजर आएंगी। इस फिल्म में अभिनय के साथ-साथ कंगना डायरेक्शन भी कर रही हैं। यह फिल्म 24 अप्रैल 2024 को सिनेमाघरों में आएगी। मूवी में वह इंदिरा गांधी बनी हैं। वह तमिल फिल्म में भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी।

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा

अनुपम खेर ने भी कहा- 'आने वाली पुश्ते याद रखेंगी'

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा में बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के तमाम सेलिब्रिटीज शामिल होने जा रहे हैं। कई सितारे तो अयोध्या पहुंच भी गए हैं। रविवार को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के लिए रजनीकांत रवाना हो गए हैं। अनुपम खेर ने भी रवाना होने से पहले एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। 22 जनवरी 2024 को देशवासियों का सालों का सपना पूरा होने जा रहा है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के एतिहासिक पल के गवाह बनने के लिए हजारों लोग अयोध्या पहुंच रहे हैं। इस कार्यक्रम के लिए बॉलीवुड से लेकर साउथ सिनेमा तक के तमाम सेलिब्रिटीज को न्योता मिला है। कई सितारे रामलला प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने जा रहे हैं।

राम मंदिर को लेकर क्या बोले अनुपम खेर?

रजनीकांत और धनुष की तरह अनुपम खेर भी आज अयोध्या के लिए रवाना हो रहे हैं। राम मंदिर जाने से पहले अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है। क्लिप में उन्होंने कहा कि उनके पिता को हमेशा से मालूम था कि एक न एक दिन अयोध्या में राम मंदिर जरूर बनेगा। अनुपम ने बताया कि वह प्राण प्रतिष्ठा में एक कश्मीरी हिंदू बनकर वहां जाएंगे और इस दौरान वह फेरन और ऑरेंज साफा पहनेंगे।

भावुक हुए अनुपम खेर

अनुपम खेर ने कहा कि इस दिन का इंतजार पूरे देश ने किया था। बात करते हुए उनकी आंखों में आंसू आ गया। वीडियो शेयर कर अभिनेता ने लिखा, ₹कल प्राण प्रतिष्ठा महासमारोह में शामिल होने के लिए मैं अयोध्या जा रहा हूं। मन में खुशी है और उन लाखों राम भक्तों व सेवकों के लिए कृतज्ञ की भावना है, जिनकी कोशिशों और बलिदान की वजह से हमें 22 जनवरी का एतिहासिक दिन देखने को मिलेगा। आज मैं अयोध्या जा रहा हूँ। साथ ही कृतज्ञता का भाव उन लाखों राम भक्तों और सेवकों के लिए जिनके अंथक प्रयत्नों और बलिदान के कारण हमें 22 जनवरी का एतिहासिक दिन देखने को मिलेगा!

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए उत्साहित फिल्मी हस्तियां, टाइगर-अक्षय समेत इन सितारों ने दी बधाई

अयोध्या में रामलला के आगमन का इंतजार खत्म होने वाला है। अयोध्या में आज रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। प्राण प्रतिष्ठा की विधि दोपहर 12:20 बजे शुरू होगी। वहीं, एक बजे कार्यक्रम पूरा होगा। इस शुभ अवसर पर तमाम बॉलीवुड हस्तियां भी अयोध्या पहुंच चुकी हैं। कई सितारे रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बनेंगे। वहीं कई सितारे इस खास अवसर पर खुशी जताते हुए फैंस को शुभकामनाएं दे रहे हैं। अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, संजय दत्त और आर माधवन ने लोगों को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए बधाई दी है।

टाइगर श्रॉफ और अक्षय कुमार इन दिनों 'बड़े मियां छोटे मियां' की फिल्म को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। दोनों फिल्म में एक साथ एक्शन अवतार में दिखेंगे। अब उन्होंने अपने फैंस को वीडियो साझा करते हुए अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की शुभकामाएं दी हैं। वीडियो में अक्षय और टाइगर ने कहा, 'जय श्री राम, आज का दिन पूरी दुनिया में बसे राम भक्तों के लिए बहुत बड़ा है। कई सौ वर्षों के बाद यह दिन आया है कि रामलला अपने घर अयोध्या अपने भव्य मंदिर में आ रहे हैं। हम लोगों ने बचपन से इस बारे में बहुत कुछ सुना है और आज इस दिन को देख

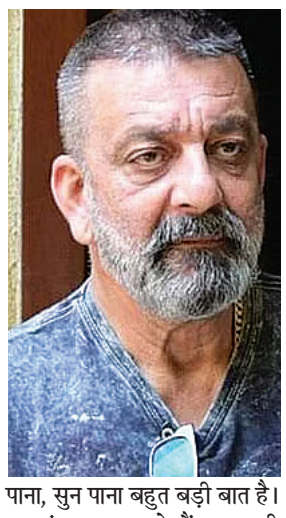

पाना, सुन पाना बहुत बड़ी बात है। हम इंतजार कर रहे हैं उस घड़ी का, जब हम दीप जलाकर रामोत्सव मनाएंगे। हम दोनों की तरफ से आपको और आपके परिवार को इस पावन दिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। जय श्री राम।' रिपोर्ट्स के अनुसार, अक्षय कुमार जॉर्डन में अपनी फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिस कारण वे रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हो पाएंगे।

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गदगद हुआ संपूर्ण भारत

नई दिल्ली। भारत का 500 सालों का इंतजार खत्म हो गया है। आज रामलला की प्रतिमा की अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए भारत को दुनियाभर से शुभकामना संदेश मिल रहे हैं। वहीं भारत की तमाम चर्चित हस्तियों ने भी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने एक?स हैंडल पर कहा कि ह्यऐतिहासिक नगरी अयोध्या, रामजन्मभूमि में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के इस युगांतकारी दिवस पर बधाई।ह्न सर्वत्र राष्ट्रीय गौरव के पुनर्जागरण के जश्न के पल का साक्षी बनना सुखद है। उन?होंने कहा कि 11-दिवसीय कठोर 'अनुष्ठान' के बाद, अयोध्या में रामलला के अभिषेक समारोह का मार्गदर्शन करने वाले अन्य यजमानों, संतों और साधुओं की उपस्थिति में पवित्र अनुष्ठान का नेतृत्व करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हार्दिक शुभकामनाएं। इस दिन, आइए हम चारों ओर ज्ञान, शांति, सद्भाव और धार्मिकता लाने के लिए प्रभु श्री राम के सत्यनिष्ठा, क्षमा, बहादुरी, ईमानदारी, नम्रता, देखभाल और करुणा के मूल्यों को जीवन के तरीके के रूप में विकसित करने का संकल्प लें। उत्तर प्रदेश के मुख?यमंत्री योगी आदित?यनाथ ने कहा कि, ह्यश्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के पुण्य अवसर के साक्षी बनने आ रहे सभी अतिथि महानुभावों का सप्तपुरियों में श्रेष्ठ, मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की प्राकट्यभूमि श्री अयोध्या धाम में हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है।ह्न उन?होंने आगे कहा कि ह्यश्री अयोध्या धाम स्थित प्रभु श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्री रामलला के नवीन विग्रह के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में देश-दुनिया से पधार रहे पूज्य संतों व धमार्चार्यों का हार्दिक स्वागत-अभिनंदन। श्री अयोध्या धाम में आपकी गरिमामयी उपस्थिति 'रामराज्य' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी। श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के पुण्य अवसर के साक्षी बनने आ रहे सभी अतिथि महानुभावों का सप्तपुरियों में श्रेष्ठ, मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की प्राकट्यभूमि श्री अयोध्या धाम में हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत नले कहा कि, 'आज राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह भारत के लिए सबसे बड़ा उत्सव है। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां बड़े उत्साह और धूमधाम से की जा रही हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com